भारत सरकार
गृह मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2392
दिनांक 10 दिसंबर, 2024/ 19 अग्रहायण,1946 (शक) को उत्तर के लिए

अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाया जाना

†2392. श्री सालेंग ए. संगमा:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(**क) मेघालय में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाए जाने की वर्तमान स्थिति क्या है और इस कार्य में किन-किन क्षेत्रों को शामिल किया गया है**, **चल रहे कार्य में कितनी प्रगति हुई है और बाड़ लगाने की परियोजना को पूरा करने में किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है**;
(**ख) क्या सरकार मेघालय में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखते हुए उन क्षेत्रों में अतिरिक्त सीमा सुरक्षाकर्मियों की तैनाती करने अथवा उन्नत निगरानी प्रौद्योगिकी अपनाने पर विचार कर रही है जहां वास्तविक बाड़ लगाना व्यवहार्य नहीं है**;
(**ग) क्या सरकार ने तस्करी और अनधिकृत सीमा-पार करने जैसे सीमापार से संबंधित मुद्दों को कम करने के लिए सीमा सुरक्षा और सहयोग में सुधार करने हेतु बांग्लादेश सरकार के साथ हाल ही में हुई किसी चर्चा अथवा समझौतों को रेखांकित किया है**; **और**
(**घ) यदि हां**, **तो क्या मेघालय-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के कार्य को पूरा करने की कोई समय-सीमा है और वर्तमान वित्तीय वर्ष में इस परियोजना के लिए कितना बजटीय आवंटन किया गया है**?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री नित्यानंद राय)

(क): भारत-बांग्लादेश सीमा की मेघालय में कुल लंबाई 443 किलोमीटर है, जिसमें से 367.155 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा को बाड़ से कवर किया गया है। 19.759 किलोमीटर में बाड़ लगाने का कार्य प्रगति पर है। व्यवहार्य भाग में बाड़ लगाने की परियोजना को पूरा करने में आने वाली चुनौतियाँ राज्य में भूमि अधिग्रहण, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की आपत्तियाँ, सीमित कार्यकाल, भूस्खलन/दलदली भूमि से संबंधित हैं।

लोक सभा अतारांकित प्र.सं. 2392, दिनांक 10.12.2024

(ख): हाँ। गैर- व्यवहार्य सीमा की सुरक्षा को तकनीकी उपकरणों जैसे हैंड-हेल्ड थर्मल इमेजर (HHTI), नाइट विज़न डिवाइस (NVD), ट्विन टेलीस्कोप, खुफिया तंत्र के उन्नयन, राज्य सरकारों/संबंधित खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय में वृद्धि और अतिरिक्त सीमा सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है।

(ग) और (घ): सीमा सुरक्षा प्रबंधन और सीमा पार मुद्दों को हल करने के लिए सहयोग से संबंधित विषयों पर बांग्लादेश के साथ द्विपक्षीय संस्थागत तंत्रों के माध्यम से चर्चा की जाती है, जैसे कि सीमा सुरक्षा बल और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के बीच महानिदेशक स्तर की वार्ता और सुरक्षा एवं सीमा अवसंरचना पर संयुक्त कार्य समूह। इसके अलावा, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश समन्वित सीमा प्रबंधन योजना (CBMP) के निर्देशों के तहत निरंतर संवाद में संलग्न है, जिसमें समन्वित दिन-रात गश्त, स्तंभों की जांच, फ्लैग मीटिंग्स, सीमा उल्लंघनों की रिपोर्टिंग और सूचनाओं का आदान-प्रदान शामिल है। इसका उद्देश्य सीमा पार अपराधों को नियंत्रित करने और शांति बनाए रखने के लिए दोनों बलों के प्रयासों को एकीकृत करना है। सरकार बाधाओं को दूर करने और समय पर बाड़ कार्य पूर्ण करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। वर्तमान वित्तीय वर्ष (2024-25) में भारत-बांग्लादेश सीमा बाड़ परियोजना के लिए 299.58 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है जिसमें से कार्यकारी एजेंसियों को 19.54 करोड़ रुपये मेघालय के लिए जारी किए गए हैं।

*****